PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 047
दि. 16.06.2026, मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

जेवर से पहली उड़ान भरकर लखनऊ पहुंचे किसान, बोले- योगी जी ने हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में बैठाया

(जीएनएस)।

लखनऊ , उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार को लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए पहली उड़ान सफलतापूर्वक रवाना हुई. इस विशेष विमान में यात्री के रूप में जेवर के वे स्थानीय किसान सवार थे, जिन्होंने एयरपोर्ट निर्माण परियोजना के लिए अपनी जमीनें खुशी-खुशी सरकार को दी थीं. यह अनूठी हवाई यात्रा इन भूमिदाता किसानों का सम्मान बढ़ाने और उन्हें विकास का सहभागी बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी. अपने ही गांव की जमीन से सीधे सूबे की राजधानी तक का पहला हवाई सफर पूरा करके लखनऊ उतरे महिला और बुजुर्ग किसानों के चेहरों पर गर्व और भावुकता की अनूठी चमक साफ दिखाई दे रही थी.

लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरे जेवर के किसान धर्मवीर शर्मा और हाजी जफर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह का विशेष आभार जताया. किसानों ने बेहद भावुक होकर कहा कि सरकार ने किसानों से किया अपना हर वादा

बखूबी निभाया है. उन्होंने कहा कि हवाई चप्पल पहनने वाले गरीब किसानों को हवाई जहाज में सम्मानपूर्वक बैठाकर योगी सरकार ने यह पूरी तरह साबित कर दिया है कि विकास का असली लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है.

इस पहली उड़ान में शामिल जेवर की रहने वाली महिला किसान पूनम, सुमन, मीनू और हिरा रशीद बेहद उत्साहित नजर आईं. पूनम ने बताया कि एयरपोर्ट के लिए उनकी जमीन अधिग्रहीत हुई थी और आज वे मुख्यमंत्री योगी से मिलने लखनऊ आई हैं. सुमन ने इसे अपना वर्षों पुराना सपना बताया, वहीं मीनू ने भावुक होकर कहा कि एयरपोर्ट बनने के बाद आज पहली बार उन्होंने आसमान से अपनी जमीन को देखा है, जो एक अविस्मरणीय अनुभव है. हाजी जफर ने कहा कि योगी जी मुस्लिम समाज में भी काफी लोकप्रिय हैं क्योंकि उन्होंने बिना किसी भेदभाव के सभी को सरकारी योजनाओं का लाभ और सुरक्षा दी है.

किसान इकबाल कल्लू ने खुशी जताते हुए कहा कि सरकार ने उन्हें सिर्फ मुआवजा ही नहीं दिया, बल्कि विकास यात्रा का हिस्सा भी बनाया. बुजुर्ग किसान जयवीर और जयकरन सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने पूरे जीवन में कई सरकारें देखी हैं, लेकिन किसानों को सम्मान देने का ऐसा दौर पहले कभी नहीं देखा. किसानों ने बताया कि भूमि अधिग्रहण के समय घर-घर जाकर उनकी सहमति ली गई थी. जेवर के किसान अब पूरी तरह संतुष्ट हैं।

और उनका मानना है कि इस विश्वस्तरीय एयरपोर्ट के बनने से आने वाली पीढ़ियों के लिए तरक्की के नए अवसर खुलेंगे.

'मार कौन रहा है..': पहलगाम हमले का जिक्र, कांग्रेस का जी 7 पर सवाल- क्या नरेंद्र मोदी डोनाल्ड ट्रंप से हाथ मिलाएंगे

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की संभावनाएं हैं। व्हाइट हाउस की ओर से इसका दावा भी किया गया है। भारत की ओर से आधिकारिक तौर तो इसपर कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन कांग्रेस पीएम मोदी के खिलाफ अपने हथियार दागने शुरू कर दिए हैं।

कांग्रेस जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का हवाला देते हुए पाकिस्तान और अमेरिका को एक ही श्रेणी में डालते हुए प्रधानमंत्री मोदी से पूछा है कि क्या वे जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हाथ मिलाएंगे?

..मार कौन रहा है? मेरे फ्रेंड डोनाल्ड ट्रंप। माई डियर फ्रेंड डोनाल्ड ट्रंप भारतीयों को मार रहे हैं और उनके मित्र देश के प्रधानमंत्री के मुंह से एक शब्द नहीं निकल रहे हैं। - सुप्रिया श्रीनेत, कांग्रेस प्रवक्ता

कांग्रेस नेता ने सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'आपके माध्यम से पता चल रहा है कि नरेंद्र मोदी डोनाल्ड टंप से जल्दी ही मिलने वाले हैं।' उन्होंने पूछा कि 'मेरे मन में एक सवाल आता है कि क्या नरेंद्र मोदी जी डोनाल्ड ट्रंप से हाथ मिलाएंगे? ये सवाल तो आपके मन में भी आना चाहिए।' कांग्रेस अमेरिकी नेवी द्वारा ओमान की खाड़ी में मारे गए तीन भारतीय नाविकों के मामले को लेकर यह मुद्दा उठा रही है।

कांग्रेस ने इस सवाल के पक्ष में दलील ये दी है कि'जब पहलगाम का नरसंहार हुआ था और उसके बाद भारत जब पाकिस्तान से मैच खेल रहा था तो उसको जस्टिफाई करना था, तो भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। तब पाकिस्तान हत्यारा था। आज अमेरिका हत्यारा है। क्या नरेंद्र मोदी डोनाल्ड ट्रंप से हाथ मिलाएंगे? क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की सेना हमारे लोगों की हत्या की है।'

संभावना है कि बुधवार को फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन के साइडलाइन में डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी की मुलाकात हो सकती है।

मोदी-ट्रंप मुलाकात की जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति के निवास व्हाइट हाउस से शनिवार को आई, लेकिन भारत की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है।

दोनों वैश्विक नेताओं की पिछली मुलाकात ट्रंप का दूसरा कार्यकाल शुरू होने के चंद दिनों बाद ही फरवरी, 2025 में हुई थी।

अगर जी7 के दौरान दोनों मिले तो यह मुलाकात ऐसे समय में होगी, जब ओमान की खाड़ी में अमेरिकी नेवी की ओर से भारतीय क्रू वाले तीन विदेशी झंडे वाले जहाजों पर हुए हमले में तीन भारतीय नाविकों की जाने चली गई।

इस घटना को लेकर भारत में अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ काफी गुस्सा है और भारत ने उसे सख्त चेतावनी भी दी है।

लखनऊ विधानसभा में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के कमरे में लगी आग, कुछ देर में पाया गया काबू

लखनऊ स्थित विधान भवन में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब प्रथम तल पर लगे एक एयर कंडीशनर (AC) में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई. जानकारी के मुताबिक आग डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के कमरे में लगे एसी यूनिट में लगी थी. घटना की सूचना मिलते ही विधान भवन के कर्मचारियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया. राहत की बात यह रही कि समय रहते आग बुझा दिए जाने से कोई बड़ा नुकसान या जनहानि नहीं हुई. मामले की जांच की जा रही है.

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सिखों के हित में भाजपा सरकार का समर्थन जताया

उत्तर प्रदेशः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिख समुदाय के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि भाजपा सरकार सिखों के हित में काफी हद तक साथ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सिख समुदाय के कल्याण के लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

योगी आदित्यनाथ ने सिखों के प्रति अपने समर्थन को दोहराते हुए कहा कि भाजपा सरकार की नीतियाँ सिख समुदाय के हित में हैं और उनका कल्याण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने इस अवसर पर 'सत श्री अकाल' का भी उल्लेख किया।

ओवैसी का प्रधानमंत्री मोदी से एक सवालः 'ट्रंप' का नाम आपकी जुबां पर क्यों नहीं आता

(जीएनएस)।

AIMIM के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहाकि ईरान और ओमान के दरमियान समंदर में हमारी कश्ती पर अमेरिकी मिसाइल हमले में हमारे तीन सपूत जान गंवा बैठे...हम इसका कंडेम भी नहीं कर पा रहे हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम तक प्रधानमंत्री मोदी की जुबान पर क्यों नहीं आ रहा है. ओवैसी ने पीएम से सवाल किया कि "भारत के प्रधानमंत्री आपकी जुबान पर डोनाल्ड ट्रम्प का नाम क्यों नहीं आता?" AIMIM के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओवैसी एक दिन के चुनावी दौरे पर बहराइच पहुंचे. इस दौरान उन्होंने देर शाम को जिले की मटेरा विधानसभा में स्थित शंकरपुर इलाके में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा व समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा. वहीं उन्होंने अपने पहले प्रत्याशी की भी घोषणा भी की. जनसभा के दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि "उत्तर प्रदेश में एनकाउंटर के नाम पर कई मासूम लोगों को तकलीफ दी जा रही है. मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार 17 हजार एंकाउंटर हुए हैं, जबकि संविधान किसी भी धर्म और वर्ग के साथ भेदभाव की इजाजत नहीं देता. हम जानते हैं कि जहाँ पर भी भाजपा की सरकार है, वहां बुलडोजर से किसके घर गिराए जाते हैं."

लखनऊ में हुए 'त्रिवेणी' में विचारों के लगे गोते, हुई सरकार की तारीफ

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक होटल में तीन दिवसीय डिजिटल डेमोक्रेसी डायलॉग 'त्रिवेणी' का आयोजन किया गया। आयोजन के दूसरे दिन रविवार को उत्तर प्रदेश के सुशासन, संस्कृति और समृद्धि पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम में शामिल हुए विभिन्न अतिथियों ने योगी सरकार की तारीफ की और उनके विकास मॉडल की बात की। उन्होंने बताया कि किस तरह यूपी बीमारू राज्य से प्रगति की तरफ अग्रसर हुआ। कार्यक्रम में 100 से अधिक डिजिटल क्रिएटर्स, नीति निमार्ताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

रविवार को परिचर्चा सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने सरकार की नौ वर्षों की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले करीब तीन दशकों में यूपी सरकार और केंद्र सरकार के बीच समन्वय नहीं था, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ जनता को नहीं मिल पाता था। 2014 में केंद्र में मोदी सरकार और 2017 में यूपी में योगी सरकार बनने के बाद हालात सुधरे। इस डबल इंजन सरकार के जरिए पीएम आवास योजना, शिक्षा से जुड़ी योजना, स्वच्छ भारत मिशन समेत हर योजना लागू हुई और इनका जनता तक फायदा भी पहुंचा।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने सबसे पहले कानून-व्यवस्था को सुधारा और अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई। यूपी पुलिस में काफी संख्या में भर्तियां हुईं। महिलाओं के लिए पुलिस भर्ती में आरक्षण लागू किया गया। पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए बड़े स्तर पर बजट में व्यवस्था की गई, ताकि तकनीकी में भी सुधार हो।

योगी सरकार में माफियाओं पर कार्रवाई

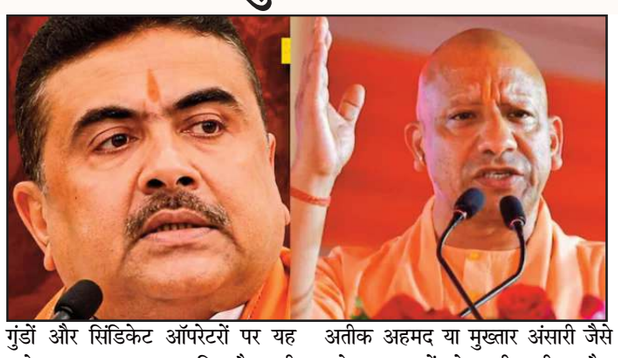

अवनीश अवस्थी ने कहा कि योगी सरकार में ही प्रदेश के सभी माफियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई। साथ ही उनके सभी मुकदमों में सजा भी कोर्ट से तय हुई। कुछ माफियाओं ने सरकारी जमीनों पर कब्जा किया था, जिनको खाली कराकर गरीबों के लिए आवास बनाए गए। वहीं, गैंगस्टर एक्ट को भी सख्ती से प्रदेश में लागू किया गया। उन्होंने बताया कि हर रोज सीएम योगी खुद कानून-व्यवस्था की मॉनिटरिंग के लिए अधिकारियों के साथ बैठक करते हैं।

योगी सरकार का हर प्रोजेक्ट समय पर पूरा

अवनीश अवस्थी ने बताया कि प्रदेश में कई आसान पॉलिसी के जरिए निवेश आ रहा है। यूपी में ब्रह्मोस मिसाइल के निर्माण से लेकर डिफेंस कॉरिडोर सरकार की बड़ी उपलब्धि का प्रमाण है। आज देशभर के एक्सप्रेसवे का 60 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश में है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने थामी हॉकी स्टिक, दागे दो गोल, सांसद रवि किशन मैदान में बाल उठाकर दौड़ते दिखे

(जीएनएस)।

गोरखपुरः यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीर बहादुर सिंह स्टेडियम में हॉकी स्टिक थामी और गोल पोस्ट को निशाना बनाकर 2 गोल दाग दिए। यह देख वहां उपस्थित लोगों ने जमकर तालियां बजाई। इस बीच, सांसद रवि किशन मैदान में दौड़ते और बॉल उठाकर वापस लाते दिखे। इन दिनों मुख्यमंत्री गोरखपुर के दौरे पर हैं, जहां उन्होंने करोड़ों रुपये के लागत की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

रविवार की शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक अलग रूप में दिखे जहां उन्होंने अपने हाथों में हॉकी स्टिक थाम रखी थी। मुख्यमंत्री इन दिनों गोरखपुर के दौरे पर है जहां वह वीर बहादुर सिंह स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए और सिंथेटिक हॉकी ट्रैक एवं पवेलियन दीर्घा का लोकार्पण किया। उन्होंने अपने संबोधन ने कहा कि गोरखपुर में बदलाव साफ दिख रहा है। हम आज बदलते हुए गोरखपुर को देख रहे हैं, एक वक्त वह था जब सड़क पर नौजवान संघर्ष करते थे, बेरोजगारी का आलम था, 5 से 6 घंटे ही बिजली मिल पाती थी।

'हर साल इंसेफेलाइटिस से सैकड़ों बच्चों की जान जाती थी'

सीएम ने कहा कि 2017 से पहले गोरखपुर में भय का माहौल था। लोग घरों से बाहर निकलने से भी डरते थे। हर साल इंसेफेलाइटिस से सैकड़ो बच्चों की जान चली जाती थी। वर्षों से बंद पड़ा फर्टिलाइजर कारखाना हमें मुंह चिढ़ाता था। बेटियों के लिए माहौल बिल्कुल भी अच्छा नहीं था। इस दौरान कार्यक्रम शुरू होने से पहले सीएम योगी ने कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ फोटो खिंचवाई और तत्पश्चात 38 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं 188 परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

गोरखपुर स्पेन की तरह बदल रहा हैः रवि किशन

इस दौरान सांसद रवि किशन ने अपने संबोधन में कहा कि गोरखपुर को मैं यूं ही स्पेन नहीं कहता। गोरखपुर आज स्पेन की तरह बदल रहा है। और इसे पूरी तरह महाराज जी आगे बढ़ने का काम कर रहे हैं। महाराज जी आज 900 करोड रुपए की सौगात लेकर आए हैं। यह हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। भाजपा हर किसी को अपने सीने से लगाकर चलने वाली पार्टी है। आज रबड़ के ट्रैक का उद्घाटन हुआ है, उसकी कीमत 7 करोड रुपए है। हर 15 दिन बाद मुख्यमंत्री जी कोई न कोई परियोजना लेकर आते हैं और गोरखपुर स्पेन की ओर एक कदम और आगे बढ़ता है। ऐसा कुछ करने और सोचने के लिए जज्बा चाहिए, जिसके लिए जिगरे की जरूरत होती है, और वह जिगरा महाराज जी में है, यही जिगरा गोरखपुर को बदल रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी हुई और महाराज जी ने तत्काल.ा१ के आदेश दे दिए।

बुलडोजर नहीं, अब सीधा ऑन-कैमरा परेड! सुवेंदु अधिकारी ने खोजा अपराधियों को घुटनों पर लाने का नया नुस्खा

(जीएनएस)।

हाल के वर्षों में जब भी कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने और अपराधियों में खौफ पैदा करने की बात आती है, तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यूपी मॉडल सबसे पहले याद किया जाता है. बीते 9-10 सालों से पूरे देश में योगी सरकार ने 'बुलडोजर एक्शन' से अवैध संपत्तियों को जमींदोज किया और 'ऑपरेशन लंगड़ा' एनकाउंटर नीति के जरिए माफियाओं के हौसले पस्त किए. लेकिन, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर पहली बार सत्ता में आई बीजेपी की सुवेंदु अधिकारी सरकार ने यूपी के इस हिट फॉर्मूले को पूरी तरह कॉपी नहीं किया. मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने बंगाल की भौगोलिक और राजनीतिक परिस्थितियों को भांपते हुए 'कटमनी' सिंडिकेट के आकाओं और असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए एक बिल्कुल नया और बेहद मारक तरीका निकाला है, जिसका नाम है- 'ऑन-कैमरा सार्वजनिक परेड फॉर्मूला'.

बंगाल पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस राज के दौरान फलने-फूलने वाले स्थानीय गुंडों और सिंडिकेट ऑपरेटरों पर यह प्रयोग आजमाना शुरू कर दिया है. अभी तक टीएमसी के कुछ स्थानीय नेताओं पर यह प्रयोग शुरू हुआ है, जिसने पूरे राज्य के सियासी और प्रशासनिक गलियारों में तहलका मचा दिया है. जानकारों का मानना है कि सुवेंदु अधिकारी का यह कदम कोई जल्दबाजी में लिया गया फैसला नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है. इसके पीछे स्थानीय प्रशासनिक और सामाजिक कारण हैं.

बंगाल की सिंडिकेट संस्कृति और कटमनी का जाल पूरी तरह से फैला हुआ है. उत्तर प्रदेश में अपराध का स्वरूप बाहुबली और माफिया केंद्रित था, जहां अतीक अहमद या मुख्तार अंसारी जैसे बड़े सरगनाओं ने बड़ी-बड़ी अवैध इमारतें खड़ी कर रखी थीं. वहां बुलडोजर चलाना वित्तीय रीढ़ तोड़ने के लिए सटीक था. इसके विपरीत, बंगाल में अपराध का ढांचा विकेंद्रीकृत है. यहां कटमनी यानी जबरन वसूली और सिंडिकेट के जरिए छोटे-छोटे स्थानीय नेता और गुंडे जनता का खून चूसते हैं. इनके पास कोई बड़े मॉल या अट्टालिकाएं नहीं होतीं जिन्हें ढहाया जा सके, बल्कि इनका वजूद स्थानीय इलाकों में रौब और खौफ पर टिका होता है. टीएमसी राज में खौफ के साम्राज्य पर सार्वजनिक बेइज्जती की चोटबंगाल में लंबे समय तक राजनीतिक हिंसा और डराने-धमकाने का दौर चला है. सुवेंदु सरकार यह जानती है कि इन गुंडों की असली ताकत जनता के बीच उनका डर है. जब पुलिस इन सिंडिकेट सरगनाओं को सरेआम सड़कों पर दोनों हाथ बंधवाकर परेड करवाती है और उनके अपराधों की ऑन-कैमरा घोषणा करती है, तो जनता के मन से उनका खौफ एक झटके में खत्म हो जाता है.

सुवेंदु का 'परेड मॉडल' बनाम योगी का 'बुलडोजर मॉडल'

योगी सरकार के बुलडोजर एक्शन को लेकर सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न अदालतों में लगातार कानूनी चुनौतियां दी जाती रही हैं. विपक्ष इसे संवैधानिक प्रक्रियाओं का उल्लंघन बताता रहा है. वहीं सुवेंदु अधिकारी एक बेहद चतुर रणनीतिकार हैं. 'परेड और सार्वजनिक शिनाख्त' के इस फॉर्मूले में कानून व्यवस्था को हाथ में नहीं लिया जा रहा है, बल्कि अपराधियों को गिरफ्तार कर, कोर्ट ले जाते समय या तफ्तीश के लिए घटना स्थल पर ले जाते समय जनता के सामने पेश किया जा रहा है. इससे सरकार पर अदालत से ऊपर उठकर सजा देने का आरोप नहीं लगता।

'60 हजार साल तक नरक का कीड़ा': अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी, कांग्रेस ने होर्डिंग लगाकर बताई सजा

(जीएनएस)।

अयोध्याः उत्तर प्रदेश का अयोध्या शहर पहले राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के लिए दुनिया भर में चर्चित हुआ और बाद में भव्य राम मंदिर के निर्माण को लेकर पूरी दुनिया में सुर्खियों में रहा। अब यह शहर भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में आने वाले चढ़ावे, यानी दान राशि की चोरी के आरोप को लेकर सुर्खियों में है। सिर्फ इतना ही नहीं, अब मंदिर में दान राशि की चोरी का मुद्दा यूपी की राजनीति के केंद्र में भी आ चुका है। समाजवादी पार्टी के बाद कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को हथियार बनाकर बीजेपी के खिलाफ इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस ने अयोध्या में बड़े-बड़े होर्डिंग लगा दिए हैं जो लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

सपा ने चढ़ावे की चोरी का मामला सुलगाया

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी-मार्च में होने की संभावना है। इससे पहले समाजवादी पार्टी ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मामला सुलगा दिया है। सपा के बाद विपक्ष के इंडिया गठबंधन में उसकी सहयोगी पार्टी

कांग्रेस भी चढ़ावे की चोरी के मुद्दे को लेकर मैदान में उतर चुकी है। चूंकि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का श्रेय बीजेपी ने लिया तो अब मंदिर में चोरी के मामले में भी बीजेपी ही विपक्ष के निशाने पर है।

क्या लिखा है स्कंद पुराण में?

कांग्रेस ने अयोध्या में बड़े-बड़े होर्डिंग लगवा दिए हैं। इन पर स्कन्द पुराण का एक श्लोक और उसका अर्थ लिखा गया है। इस श्लोक में मंदिर की धन-सम्पत्ति चुराने वालों को जन्म-जन्मांतर तक चलने वाली सजा का उल्लेख है। स्कन्द पुराण का श्लोक है- 'स्वदत्तं परदत्तं वा यो हरेत वसुंधरां, षष्टिवर्षसहस्त्राणि विष्ठायां जायते कृमिः।' इसका अर्थ है, 'जो व्यक्ति मंदिर को दी गई भूमि या संपत्ति (दान का धन) को चुराता है या हड़प लेता है, वह अगले 60 हजार वर्षों तक नरक में कीड़े के रूप में जन्म लेता है।'

करीब 200 करोड़ की दान राशि की चोरी का आरोप

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में बड़ी मात्रा में चढ़ावे की चोरी का आरोप लगाया गया है। मंदिर से करीब 200 करोड़ रुपये की दान राशि की चोरी का आरोप है। बताया जाता है कि मंदिर के चढ़ावे की राशि की गणना एक गुप्त कमरे में 50 कर्मचारी करते हैं। इनमें से 24 कर्मचारी नोट गिनकर उनके बंडल बनाते हैं। मंदिर के ट्रस्ट ने एक प्राइवेट एजेंसी के जरिए इन कर्मचारियों को रखा है। ट्रस्ट के कुल 12 कर्मचारी नोट गिनने वाले 24 कर्मचारियों पर नजर रखते हैं। इसके अलावा 14 कर्मचारी ऐसे हैं जो स्टेट बैंक के कर्मचारी हैं या टीसीएस की ऑडिट टीम के सदस्य हैं। अब यह सभी 50 कर्मचारी और उनको नियुक्त करने वाले ट्रस्ट के लोग संदेह के घेर में हैं। उनकी जांच की जा रही है। मंदिर ट्रस्ट के एक पूर्व कर्मचारी ने इस चोरी का खुलासा किया था।

श्रीराम मंदिर में दान राशि की चोरी के मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी गई है। मामले की जांच शुरू भी हो गई है। हालांकि विधानसभा चुनाव से पहले इस मामले ने यूपी का राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया है। पहले जहां बीजेपी अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का श्रेय लेते हुए चुनावों में प्रचार करती रही वहीं अब राम मंदिर की दान राशि की चोरी के मुद्दे को लेकर वह खुद विपक्ष के निशाने पर आ गई है।

अनुसंधान को मजबूत करने के लिए इरिटम व आईआईएम के बीच एमओयू

(जीएनएस)।

लखनऊ। अनुसंधान को मजबूत करने के साथ गुणवत्ता, क्षमता व शैक्षणिक सहभागिता में वृद्धि के लिए भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान(इरिटम) व भारतीय प्रबंध संस्थान(आईआईएम) के बीच सोमवार को एमओयू हुआ। यह पहल विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप क्षमता निर्माण को मजबूत करने में सहायक होगी।

प्रोफेसर कृष्णा ने बताया कि यह समझौता इरिटम के अभिव्यक्ति सभागार में आयोजित एक समारोह में हुआ। इरिटम महानिदेशक रंजन प्रकाश ठाकुर और आईआईएम के निदेशक एमपी गुप्ता ने इस पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह में दोनों संस्थानों के संकाय सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही इरिटम में पढ़ाई कर रहे अधिकारियों ने भी इसमें हिस्सा लिया। रेल के चयनित सेवारत अधिकारियों के लिए विशेष रूप से तैयार प्रबंधन कार्यक्रमों में

सहभागिता का मंच प्रदान करता है। अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक प्रबंधन विकास कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त यह समझौता पारस्परिक हित की परियोजनाओं और ज्ञान संसाधनों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा। भविष्य में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना और अन्य शैक्षणिक पहलों के माध्यम से भी सहयोग किया जाएगा।

इस अवसर पर महानिदेशक रंजन प्रकाश ठाकुर ने समझौते को रेलवे अधिकारियों की प्रबंधकीय व नेतृत्व क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सहयोग मूल्यवान शिक्षण अवसरों का सृजन करेगा। यह परिवहन व लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए भविष्य के नेतृत्वकताओं के विकास में सहायक सिद्ध होगा। आईआईएम के एमपी गुप्ता ने नेतृत्व विकास व नवाचार को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक संस्थानों एवं सार्वजनिक संगठनों के बीच सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित करते हुए सतत अधिगम, रणनीतिक सोच और व्यावसायिक उत्कृष्टता को अपने कार्यजीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। यह समझौता प्रारंभिक रूप से पाँच वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा। इसके माध्यम से प्रशिक्षण, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विविध पहलों को बढ़ावा मिलेगा।

लखनऊ से कासगंज के जा रही पैसेंजर ट्रेन के इंजन में फंसा मोर, 26 मिनट खड़ी रही ट्रेन

(जीएनएस)।

चौबेपुर (कानपुर)। शिवराजपुर के बर्राजपुर रेलवे स्टेशन से कुछ आगे निकलते ही सोमवार की सुबह लखनऊ से कासगंज जा रही पैसेंजर ट्रेन के इंजन के ऊपर लगे बिजली के पेंटो से टकराने से ट्रेन को 26 मिनट रोकना पड़ा। बाद में इंजीनियरों ने पहुंच कर मृत मोर को इंजन से बाहर निकाल कर ट्रेन को रवाना किया।

लखनऊ से कासगंज के लिए शिवराजपुर के बर्राजपुर रेलवे स्टेशन से एक किमी आगे ट्रेन के इंजन के ऊपर लगे बिजली के पेंटो से राष्ट्रीय पक्षी मोर टकरा कर फंस गया। इस दौरान इंजन का बिजली से संचार रूकने के कारण चालक ने ट्रेन को खड़ी कर सेक्शन टीम को सूचना दी।

कुछ देर बाद पहुंची एआरडी टीम ने मृत मोर को बाहर निकाल कर इंजन को चालू किया। जीआरपी ने मृत मोर को राष्ट्रीय सम्मान के साथ स्टेशन अधीक्षक को अंतिम संस्कार के लिए सौंपा है। बाद में ट्रेन को 26 देरी से रवाना किया गया। थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि इंजन के ऊपर लगे बिजली के पेंटो से

मृत मोर को बाहर निकाल कर ट्रेन को रवाना किया गया है।

अयोध्या में विवाहिता की मौत मामले में 5 पर एफआईआरः आरोपियों में पति भी शामिल,चार साल पहले हुई थी शादी

(जीएनएस)।

अयोध्या जिले के खण्डासा थाना क्षेत्र स्थित इछोई गांव में विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने पति समेत पांच ससुरालियों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। विवाहिता का शव कुछ दिन पहले घर के अंदर फंदे से लटका मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग से मौत की पुष्टि हुई है।

पिता की तहरीर पर दर्ज हुआ मुकदमा

पुलिस क्षेत्राधिकारी मिल्कीपुर पियूष पाल ने बताया कि मृतका कीर्ति के पिता द्वारिका नाथ तिवारी की शिकायत पर खण्डासा थाना पुलिस ने पति अंबुज पाण्डेय, सास मंजू, ससुर अजय पाण्डेय, ननद आकांक्षा और देवर आशुतोष पाण्डेय के खिलाफ दहेज हत्या समेत अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

कार और अतिरिक्त दहेज की थी मांग

मृतका के पिता ने आरोप लगाया है कि शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष अतिरिक्त दहेज और चार पहिया वाहन की मांग करने लगा था। मांग पूरी न होने पर उनकी बेटी को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था।

उन्होंने आरोप लगाया कि सास मंजू अक्सर कीर्ति को घर की नौकरानी कहकर अपमानित करती थी और दहेज न मिलने पर जान से मारने की धमकियां भी दी जाती थीं। परिवार की ओर से कई बार समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन ससुराल पक्ष का व्यवहार नहीं बदला।

देवर ने फोन कर दी थी मौत की सूचना

पीड़ित पिता के मुताबिक, बीते शुक्रवार को देवर आशुतोष पाण्डेय ने फोन कर बताया कि कीर्ति ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलने पर जब वे ससुराल पहुंचे तो बेटी का शव बिस्तर पर रखा हुआ मिला।

2022 में हुई थी शादी, डेढ़ साल का बेटा

प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि कीर्ति की शादी 11 फरवरी 2022 को अंबुज पाण्डेय के साथ हुई थी। दंपती का एक वर्ष 11 माह का पुत्र है, जो फिलहाल अपने दादा-दादी के पास रह रहा है। मृतका का पति मेडिकल स्टोर संचालित करता है।

पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ में परिवार पर नशे में धुत युवकों का हमला:विरोध करने पर जान से मारने की धमकी, पुलिस ने दर्ज किया केस

(जीएनएस)।

दुबग्गा, लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र में एक युवती और उसके परिवार को लगातार प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ युवकों ने देर रात घर के बाहर हंगामा किया, गाली-गलौज की और मारपीट का प्रयास किया। विरोध करने पर उन्होंने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

हंसखेड़ा निवासी सुनीता यादव ने पारा थाना प्रभारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 5 जून 2026 की रात करीब 1:30 बजे उदयराज यादव उर्फ प्रियांशू, अफाक खां, कैफ खां और कुछ अन्य अज्ञात लोग एक चार पहिया वाहन से उनके घर के सामने पहुंचे। आरोप है कि सभी युवक नशे की हालत में थे और उन्होंने बिना किसी कारण परिवार के सदस्यों के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी तथा

मारपीट का प्रयास किया।

पीड़िता के अनुसार, आरोपी उसके भाई अभिषेक यादव के मोबाइल फोन पर भी लगातार कॉल कर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं। जब इस व्यवहार का विरोध किया गया, तो आरोपियों ने परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत में यह भी कहा गया है कि यदि उनसे बात नहीं की गई, तो पूरे परिवार को इसी तरह परेशान किया जाएगा।

आरोप है कि अगले दिन, 6 जून की रात करीब 10 से 10:30 बजे के बीच, आरोपी दोबारा मोहल्ले में पहुंचे। उन्होंने अभिषेक यादव और उसके मित्र प्रभात पाण्डेय के साथ मारपीट की। इस घटना के दौरान डायल-112 पर सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस के पहुंचने की आशंका से आरोपी मौके से फरार हो गए। जाते समय उन्होंने फिर धमकी दी कि वे जहां भी मिलेंगे, वहां मारपीट करेंगे।

पीड़िता की शिकायत पर पारा पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सीतापुर में 'खेत बचाओ अभियान' शुरू:वैज्ञानिक तकनीक से घटेगी लागत, बढ़ेगी उत्पादकता

(जीएनएस)।

अशरफपुर (सिधौली), सीतापुर

सीतापुर में कृषि विज्ञान केंद्र कटिया और कृषि विभाग ने सोमवार को संयुक्त रूप से 'विकसित कृषि संकल्प अभियान 2026' और 'खेत बचाओ अभियान' के तहत कृषक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। ये कार्यक्रम मिश्रिख, रामपुर मथुरा और खैराबाद विकास खंडों के गांवों में हुए। अभियान का मुख्य उद्देश्य मृदा, जल और जैव विविधता का संरक्षण कर खेती को टिकाऊ बनाना है।

मिश्रिख में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दयाशंकर श्रीवास्तव ने किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मिट्टी ही समृद्ध किसान का आधार है और संतुलित उर्वरक उपयोग, एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन तथा फसल अवशेषों के वैज्ञानिक प्रबंधन पर जोर दिया।

एडीओ कृषि जय प्रकाश ने रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की घटती गुणवत्ता पर

चिंता व्यक्त की। पीपीएस रोवित कुमार ने किसानों को जैविक और यांत्रिक कीट नियंत्रण विधियों को अपनाने की सलाह दी।

खैराबाद के खपूरा और रहीमाबाद गांवों में आईसीएआर-सीएसएसआरआई लखनऊ के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अनूप कुमार दीक्षित ने टिकाऊ कृषि के लिए मिट्टी-पानी के वैज्ञानिक प्रबंधन को आवश्यक बताया। उन्होंने वर्षा जल संचयन और जैविक पदार्थों के उपयोग को बढ़ाने पर बल दिया।

गृह वैज्ञानिक डॉ. रीमा ने फसल अवशेष जलाने और असंतुलित उर्वरक प्रयोग से खेतों की उत्पादकता में कमी आने की चेतावनी दी। एटीएम सूरजभान सिंह ने किसानों को मेड़ों पर फलदार वृक्ष लगाने की सलाह दी, जिससे मृदा संरक्षण के साथ-साथ अतिरिक्त आय भी प्राप्त हो सकेगी।

प्रक्षेत्र प्रबंधक डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सभी विशेषज्ञों ने स्वस्थ मिट्टी, स्वच्छ जल और जैव विविधता को कृषि की स्थायी समृद्धि का आधार बताया। किसानों ने वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने का संकल्प लिया।

इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष किसान, ग्राम प्रधान और कृषि अधिकारी उपस्थित रहे। कृषि विज्ञान केंद्र लगातार यह संदेश दे रहा है कि खेतों की सुरक्षा ही किसानों की समृद्धि और कृषि के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है।

'सफाई कर्मियों की मौत का कारण अधिकारियों की नालायकी'

लखनऊ में सफाई आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने सफाई कर्मी की मां के पैर छुए, 15 साल से मुआवजा के लिए भटक रही थी

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखनऊ में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष की बैठक । हरदीप सिंह गिल ने सफाई कर्मचारियों के कल्याण, उनके अधिकारों की सुरक्षा, सामाजिक सम्मान, आर्थिक सशक्तिकरण और मुआवजा की राशि दिलाने समेत विभिन्न मुद्दों पर बैठक किया जिसमें मुख्य रूप से सफाई कर्मचारियों को सेफ्टी इक्विपमेंट ना मिलने और सफाई के दौरान हो रही मौतों पर नाराजगी जताई।

'मैनुअल स्कैवेंजिंग एक्ट का पालन नहीं'

हरदीप सिंह गिल ने बताया कि मैनुअल स्कैवेंजिंग बंद है। हाल ही में तीन मौत हुई है जिसको लेकर राष्ट्रीय सफाई आयोग आज बैठक कर रहा है। इसमें जिलाधिकारी नगर , निगम के अधिकारी और सामाजिक सुरक्षा के अधिकारियों के साथ चर्चा हुई है। देखने में आ रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और मैनुअल स्कैवेंजिंग ३ 2011 का पालन नहीं हो रहा है। मैनुअल स्कैवेंजिंग करवाई जा रही है सुरक्षा इक्विपमेंट नहीं दिए जा रहे हैं जिसकी वजह से मौत हो रही है इस पर हमने जिम्मेदार अधिकारियों से सवाल किए हैं। साथ ही 15 दिनों के अंदर इन्हें मुआवजा देने के लिए कहा गया है।

स्पष्ट गाइडलाइन है की मॉनिटरिंग कमेटी की हर 3 महीने पर बैठक हो । इसके अध्यक्ष जिला अधिकारी होते हैं बैठक ही नहीं हो रही है उसमें लापरवाही बरती जा रही है। इन्होंने बताया कि सफाई कर्मचारियों के अधिकार मुआवजा 20 दिन में देने के लिए कहा गया है अगर यह काम नहीं पूरा होता है तो जिलाधिकारी , नगर आयुक्त और कमिश्नर के खिलाफ हम सीधे सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। इन्होंने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही और नालायकी की वजह से मौतें हो रही है हादसे सामने आ रहे हैं। केंद्र सरकार की तरफ से फ्री सेफ्टी किट दी जाती है फिर भी कर्मचारियों की मौत हो रही है इससे साफ जाहिर हो रहा है कि अधिकारी कितने लापरवाह है। कैंप लगाकर सफाई कर्मचारियों को उनके अधिकारों और गाइडलाइन के प्रति जागरूक किया जाएगा।

₹30 लख का मुआवजा ₹75 हजार में निपटाया

बैठक में आया एक पीड़ित परिवार फूट फूट कर रोने लगा। पीड़ित परिवार में मौजूद राहुल ने बताया कि उनके छोटे भाई रजत की मौत साल 2011 में हो गई थी। वह संविदा सफाई कर्मी था और सहारागंज में सफाई करते समय हादसे में जान चली गई। 15 साल गुजर जाने के बाद भी मुआवजे की रकम नहीं मिली। उन्होंने बताया कि 30 लख रुपए मुआवजे की कुल राशि मिलना था मगर उस समय अधिकारियों ने 75 हजार रुपए देकर ही गुमराह कर दिया।

15 साल से मुआवजा के लिए भटक रहे हैं

राहुल ने बताया कि 15 सालों से बची हुई राशि के लिए नगर निगम , जल निगम , सीएम आवास समेत तमाम ऑफिसों के चक्कर काट रहे हैं। रोते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि यह पैसा मिल जाए जिससे हम अपने बहन की शादी कर दें। भाई की भी यही इच्छा थी वह कहता था कि हम अपनी बहन की शादी धूमधाम से करेंगे। आज इस दुनिया में नहीं है तो कम से कम उसकी आखिरी इच्छा हम लोग पूरी कर दे हैं। आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष से मिलते समय मृतक सफाई कर्मी की मां ने उनके पैर हुए तो फौरन वह पीछे हट गए और उन्होंने सफाई

रक्सौल-काठमांडू रेल लाइन पर बड़ा अपडेट, जनकपुर-अयोध्या रूट जल्द होगा शुरू

(जीएनएस)।

काठमांडूः भारत और नेपाल ने कई सीमा पार रेलवे प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा की है। इनमें रक्सौल-काठमांडू ब्रॉड गेज (इ्रऋ) रेलवे लाइन, जयनगर-बिजलपुरा-बरदीबास और जोगबनी-बिराटनगर इ्रऋ रेलवे लाइन शामिल हैं। यह रेल लाइन बिहार के रक्सौल को नेपाल की राजधानी काठमांडू से जोड़ेगी। यह समीक्षा 11-12 जून 2026 को काठमांडू में 10वीं प्रोजेक्ट स्टीयरिंग कमेटी (PSC) और 8वीं जॉइंट वर्किंग ग्रुप (JWG) की बैठकों के दौरान हुई। इस बैठक का मकसद भारत नेपाल रेलवे प्रोजेक्ट की प्रगति की जांच करना था और उनमें आई अड़चनों को दूर करना था।

जनकपुर-अयोध्या के बीच ट्रेन सेवा शुरू करने पर चर्चा

नेपाल में भारतीय दूतावास के एक बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने कई रेलवे प्रोजेक्ट्स की प्रगति पर चर्चा की, जिनमें जयनगर-बिजलपुरा-बरदीबास और जोगबनी-बिराटनगर इ्रऋ रेलवे लाइनें शामिल हैं। ये दोनों प्रोजेक्ट्स भारत सरकार की ग्रांट सहायता से विकसित किए जा रहे हैं। दोनों देशों के अधिकारियों ने जनकपुर-अयोध्या सेक्शन पर यात्री ट्रेन सेवाओं को शुरू करने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर पर भी चर्चा की।

रक्सौल-काठमांडू रेल लाइन पर बातचीत

इन प्रोजेक्ट्स के अलावा, दोनों पक्षों ने प्रस्तावित रक्सौल-काठमांडू इ्रऋरेल लिंक की फाइनल लोकेशन सर्वे (FLS) रिपोर्ट, नेपाल के ईस्ट-वेस्ट रेलवे प्रोजेक्ट के लिए तकनीकी सहायता और और रेलवे नेटवर्क विकसित करने की संभावना पर भी चर्चा की। इन रेलवे प्रोजेक्ट्स का मकसद आर्थिक विकास और तरक्की को बढ़ावा देना है। दूतावास ने एक बयान में कहा, "दोनों पक्ष रेलवे सेक्टर में सहयोग को और मजबूत करने के लिए करीबी जुड़ाव बनाए रखने पर सहमत हुए।"

नेपाल को मिलेगा भारतीय बंदरगाहों का एक्सेस

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारत और नेपाल ने 'ट्रीटी ऑफ ट्रांजिट' (पारगमन संधि) के प्रोटोकॉल में संशोधन के लिए एक दूसरे को 'लेटर ऑफ एक्सचेंज' (LoE) दिए थे। इसका मकसद दोनों देशों के बीच रेल के जरिए होने वाले व्यापार को आसान बनाना था। भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने 13 नवंबर 2025 को जारी एक बयान में कहा था कि इस समझौते से जोगबनी (भारत) और विराटनगर (नेपाल) के बीच रेल से माल की ढुलाई आसान हो जाएगी। अब इसमें बल्क कार्गो को भी शामिल किया गया है। इससे नेपाल को भारत के कई प्रमुख बंदरगाहों तक माल पहुंचाने का सीधा एक्सेस मिलेगा, जिनमें कोलकाता-जोगबनी, कोलकाता-नौतनवा (सोनौली) और विशाखापत्तनम-नौतनवा (सोनौली) जैसे अहम ट्रांजिट कॉरिडोर शामिल होंगे।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

हजारों दर्शकों के सामने अनूठे ढंग से हुआ फीफा विश्व कप 2026 के पहले उद्घाटन समारोह

ऐसे वक्त पर जब पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल बनाम ईरान में भंयकर युद्ध छिड़ा हुआ है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की समस्या बनी हुई है। जब सारी दुनिया की अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल हो रही है उसी समय खेल प्रेमियों के लिए जबरदस्त राहत का आयोजन हो रहा है। मैं विश्व कप पुटबाल 2026 की बात कर रहा हूं। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में आयोजित अब तक का सबसे बड़ा पुटबाल विश्व कप चल रहा है। फीफा विश्व कप 2026 के पहले उद्घाटन समारोह ने बृहस्पतिवार को एस्टाडियो एज्टेका स्टेडियम में 85000 दर्शकों के सामने अनूठा रंग बरपा दिया। इस बार तीन उद्घाटन समारोह हुए हैं जिनमें दो समारोह शुव्रवार को कनाडा के टोरंटो और अमेरिका के लॉस एंजिल्स में आयोजित हुए। 39 दिन तक चलने वाले इस सबसे लंबे प्रख्यात महावुंभ में रिकार्ड मैचों के साथ रिकार्ड दर्शकों के आने से पुटबाल की शीर्ष संस्था को वित्तीय रूप से भारी मुनाफा होने वाला है। फीफा की कमाई कई तरीकों से होगी जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा प्रसारण अधिकारों का होगा। इसके अलावा प्रायोजन, टिकटों की बिव्री, आतिथ्य सत्कार, पर्यटन आदि से भारी कमाई होगी। इस बार 48 टीमों के टूनार्मेंट में हिस्सा लेने से भी कमाई उम्मीद से ज्यादा हो सकती है और यह आंकड़ा 76 हजार करोड़ रुपए (8.9 अरब डॉलर) से भी ज्यादा पहुंच सकता है। असल में 104 मुकाबले तीन देशों के 16 शहरों में होने से कमाई में कई तरह की बढ़ोतरी होगी।

बता दें कि तीन बार विश्व कप की मेजबानी करने वाला मैक्सिको दुनिया का पहला देश है। मैक्सिको ने अपने यहां हुए उद्घाटन में अपनी देसी संस्वृति की झलक दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ा। फीफा ने इस समारोह के लिए दुनिया भर से कलाकार बुलाए थे, लेकिन असली समां शकीरा के दाईं-दाईं गाने से बांधा, जिस पर दर्शक झूम उठे। सवाल यह भी है कि क्या यह खेल की उस शक्ति को साबित कर पाएगा, जो मतभेदों के बीच संवाद व तनावों के बीच उम्मीद की गुजांइश पेश करती है? पुटबाल विश्व कप का इतिहास देखें तो उम्मीद की जा सकती है। बता दें कि इटली के डिक्टेटर मुसोलिनी के शासन के दौरान 1934 में इटली में हुआ विश्वकप हो या फिर 1938 की प्रतिस्पर्धा, जब जर्मनी, आस्ट्रिया पर कब्जा कर चुका था, इस खेल ने दर्द से कराहते देशों को जरूर वुछ राहत तो दी थी।

हिटलर ने भी विश्वकप हाकी का आयोजन किया था जिसमें भारत के मेजर ध्यानचंद सबसे बड़े सितारे के रूप में उभरे थे। दिलचस्प यह है कि ईंरान की टीम को भी मेजबान अमेरिका में खेलने का मौका मिलेगा। हालांकि ईंरान को वीजा देने में भी विवाद हुआ। उल्लेखनीय है कि ईंरानी खिलाड़ी जब मैक्सिको पहुंचे तो उन्होंने वह प्रतीक चिह्न पहना था जो मिनाब के बच्चियों के स्वूल पर अमेरिका ने मिसाइल मारा था और 138 छोटी बच्चियां शहीद हो गईं थीं। अपेक्षा की जाती है कि इस आयोजन से देशों में प्रेम व एक-दूसरे का सम्मान बढ़ेगा, भाईं चारा बढ़ेगा और दुनिया में अशांति के माहौल में कमी आएगी।

लक्ष्य के मुकाबले 10 फीसदी रफ्तार, 31 मार्च तक ऐसे कैसे एलपीजी मुक्त होगा लखनऊ

(जीएनएस)।

लखनऊ। एलपीजी मिलने में होती आसानी ने राजधानी में पीएनजी कनेक्शन की रफ्तार कम कर दी है। नतीजा यह कि अगले नौ महीने में यानी 31 मार्च 2027 तक लखनऊ को एलपीजी मुक्त करने का लक्ष्य फिलहाल दूर की कौड़ी नजर आ रहा है। क्योंकि, हर दिन तय लक्ष्य 1200 कनेक्शन के मुकाबले सिर्फ 150 कनेक्शन तक ही हो पा रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय गैस संकट के बीच सरकार जनता में पीएनजी (पाइप नैचुरल गैस) को अपनाने पर जोर दे रही है। लखनऊ में हर दिन 1200 कनेक्शन के लक्ष्य के साथ 31 मार्च 2027 तक 3.60 लाख नए पीएनजी कनेक्शन करने हैं। अगर कंपनी तय लक्ष्य भी हासिल करे तो अब तक के

कुल 84 हजार कनेक्शनों की संख्या के साथ 31 मार्च तक यह संख्या 4.5 लाख कुल कनेक्शन तक ही पहुंच पाएगी। उधर, एलपीजी मुक्त लखनऊ के लिए एलपीजी उपभोक्ताओं का भी पीएनजी में कन्वर्जन जरूरी है। ऐसे में यह और भी मुश्किल भरा और चुनौतीपूर्ण है। क्योंकि, लखनऊ में ही 15 लाख एलपीजी उपभोक्ता हैं। कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक जहां पीएनजी नेटवर्क नहीं है, वहा तक लाइन पहुंचाने में काफी समय लगेगा। अभी जहां पाइपलाइन है, वहां भी सब कहीं कनेक्शन नहीं पहुंच पाए हैं। लिहाजा, एलपीजी मुक्त लखनऊ का लक्ष्य अभी दूर की कौड़ी ही नजर आ रहा है।

एलपीजी की आसान उपलब्धता ने बढ़ाई चुनौती

पीएनजी कनेक्शन के लिए कंपनियां अपार्टमेंट, सोसायटी में कैंप भी लगा रही हैं, लेकिन अब इन कैंपों में लोगों का रुझान खत्म होता जा रहा है। अफसरों का कहना है कि तमाम कोशिशों के बावजूद न नए ग्राहक ही बढ़ रहे हैं, और न ही कोई क्वेरी आ रही है। ऐसे में वह तय किए गए लक्ष्य के मुकाबले कनेक्शन ही नहीं कर पा रहे हैं।

आगरा को भी एलपीजी मुक्त करने की तैयारी

ग्रीन गैस लिमिटेड के अफसरों ने बताया कि सरकार ने भी बड़े शहरों को एलपीजी मुक्त महानगर बनाने का फैसला लिया है। इसके लिए लखनऊ को हर दिन 1200 तो आगरा को 400 कनेक्शन करने हैं, जिससे कि 31 मार्च 2027 तक दोनों महानगर एलपीजी मुक्त घोषित किए जा सकें। लेकिन, लखनऊ में हर रोज 150 तो आगरा में 60-70 कनेक्शन ही हो पा रहे हैं।

लखनऊ में करीब 8000 कनेक्शन, आगरा में 2500

क्एक जनवरी से अब तक लखनऊ में 8000 तो आगरा में 2500 के करीब पीएनजी कनेक्शन हुए हैं। इसमें भी पिछले तीन महीने के अंदर ही लखनऊ में करीब 5500 कनेक्शन किए गए हैं, जबकि औद्योगिक निकायों में 20 कनेक्शन किए गए हैं। अपार्टमेंट व सोसायटीज के नए लोगों में रुझान नहीं दिख रहा है। कैंप में भी लोग कम आ रहे हैं।क

क्ष्रवीण सिंह, डीजीएम, मार्केटिंग, ग्रीन गैस लिमिटेडक

घर, ऑफिस, स्कूल, सब 20 मिनट की दूरी पर होंगे, 44776 करोड़ का प्लान तैयार, बदलेगा लखनऊ का नक्शा

(जीएनएस)।

लखनऊः राजधानी को 2051 तक देश के टॉप शहरों में शामिल करने का ब्लू प्रिंट तैयार हो गया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने 'विजन लखनऊ 2051 मास्टर प्लान' तैयार कर शासन को अपनी रिपोर्ट सौंपी है। 44,776 करोड़ के इस मेगा प्लान में लखनऊ का दायरा बाराबंकी, उन्नाव और रायबरेली तक बढ़ेगा, जिसे स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) नाम दिया जाएगा।

इस प्लान में सबसे ज्यादा जोर सड़कों पर है, जहां कुल बजट का 65 फीसदी हिस्सा यानी 28,879 करोड़ रुपये सिर्फ रोड और ट्रांसपोर्ट पर खर्च होगा। इस मास्टर प्लान को जमीन पर उतारने के बाद रिंग रोड से बाराबंकी से उन्नाव की दूरी महज 30 मिनट में पूरी की जा सकेगी। खास बात यह है कि पूरे शहर में '20 मिनट नेबरहुड' व्यवस्था रहेगी। मतलब, घर, दफ्तर, स्कूल, अस्पताल सब 20 मिनट की दूरी पर होंगे।

रिंग रोड नई लाइफलाइन

104 किमी लंबा आउटर रिंग रोड अब ग्रोथ कॉरिडोर बनेगा। मोहान रोड, सुलतानपुर रोड, रायबरेली रोड और हरदोई रोड पर रिंग रोड के किनारे 10 हजार हेक्टेअर में 4 नए टाउनशिप बसेंगे। एहर से लक्ष्कृतक 5 लाख नए मकान बनेंगे।

युवाओं के लिए खुशखबरी

सीजी सिटी के पास 800 एकड़ में क्ळ सिटी का विस्तार होगा। कानपुर रोड पर बॉर्डर के पास 500 एकड़ में लॉजिस्टिक हब और फ्रेट कॉरिडोर बनेगा। नया फाइनैंशल डिस्ट्रिक्ट भी प्लान में है। एलडीए के अफसरों का दावा है कि इन प्रॉजेक्ट से 2 लाख सीधी और 5 लाख अप्रत्यक्ष नौकरियां निकलेंगी। उन्नाव-कानपुर की इंडस्ट्रियल कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी।

कैसा होगा 2051 का लखनऊ

4 नई टाउनशिप रिंग रोड के किनारे बसाई जाएंगी

बाराबंकी, उन्नाव और रायबरेली

तक बढ़ेगा लखनऊ का दायरा

7 लाख रोजगार के दरवाजे क्ळ सिटी-2 से खुलेंगे

28.17 लाख से बढ़कर 57.65 लाख होगी आबादी

350 वर्ग किमी से बढ़कर 980 वर्ग किमी का होगा इलाका

कब शुरू होगा काम

एलडीए के मुताबिक सीएम के समक्ष 2051 विजन प्लान रखा जाएगा। मंजूरी के बाद डीपीआर बनेगी। पीपीपी मॉडल और केंद्र की अमृत योजना, स्मार्ट सिटी स्कीम से पैसा आएगा। 2026-2030 तक शॉर्ट टर्म, 2031-2040 तक मीडियम टर्म और 2041-2051 में लॉन्ग टर्म के काम होंगे।

कितना खर्च हो सकता है

सड़क-ट्रांसपोर्ट में 65 फीसदी यानी 28,879 करोड़

सीवर-सफाई में 14.50 फीसदी यानी 6,495 करोड़

पानी के लिए 9 फीसदी यानी 4,048 करोड़

स्लम सुधार के लिए 6.70 फीसदी यानी 2,986 करोड़

पर्यावरण के लिए 2.30 फीसदी यानी 1,015 करोड़

हेरिटेज-टूरिजम के लिए 0.64 फीसदी यानी 286 करोड़

विरासत को संवारने पर 640 करोड़

हुसैनाबाद हेरिटेज जोन और कैसरबाग को संवारने पर 640 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सतखंडा, क्लॉक टावर, छोटा इमामबाड़ा, सफेद बारादरी को टूरिजम सर्किट से जोड़ा जाएगा। कैसरबाग से सरकारी दफ्तर शिफ्ट होने के बाद पुरानी बिल्डिंगों की 146 एकड़ का नए सिरे से इस्तेमाल होगा। कैसरबाग को नो-वीइकल जोन बनाने का प्लान है।

स्लम फ्री किए जाने का दावा

विजन में सभी के लिए किफायती मकान के साथ स्लम मुक्त शहर का टारगेट है। स्लम सुधार पर 2.986 करोड रुपये खर्च होंगे। लोगों को 1.50 किमी के दायरे में ही बसाया जाएगा, ताकि रोजगार न छूटे। हर नई हाउसिंग स्कीम में पानी बिजली-सीवर पहले से देना जरूरी होगा।

हमें क्या मिलेगा ?

आसान सफरः रिंग रोड से बाराबंकी-उन्नाव पहुंचने में सिर्फ 30 मिनट लगेंगे। 6 नए बस अड्डे, मेट्रो फीडर बसे चलेंगी

सस्ते मकानः कार्यस्थलों के पास 5 लाख नए मकान। किराए के मकान का भी विकल्प

बेहतर इलाजः वर्ल्ड क्लास मेडिसिटी, बुजुर्गों के लिए स्पेशल सेटर

साफ शहरः जीरो वेस्ट का लक्ष्य, सोलर एनर्जी पर जोर

8 बड़े वादे

कनेक्टिविटीः बाराबंकी-उन्नाव तक फोरलेन पहुंच

रहना-खेलनाः ओपन कम्युनिटी स्पेस होंगे

उद्योगः डेडिकेटेड इंडस्ट्रियल जोन

हेरिटेजः 276 एकड़ क्षेत्र, नया टूरिजम सर्किट

मकानः कार्यस्थलो के पास 5 लाख नए घर

ट्रैफिकः मल्टीमोड ट्रांसपोर्ट और पैदल चलने को बढ़ावा

सरकारी कामः नया प्रशासनिक परिसर

बिजली-पानीः सोलर प्लांट, आपदारोधी इमारतें

'सिर्फ बिल्डिंग नहीं, बेहतर जिंदगी का प्लान है'

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने कहा, 'हम राजधानी को रहने और काम करने के लिए देश का नंबर-1 शहर बनाना चाहते है। रिंग रोड से सिर्फ लखनऊ नहीं, बाराबंकी-उन्नाव के लोगों की भी जिंदगी बदलेगी। नए रोजगार, बेहतर कनेक्टिविटी और साफ-सुथरा शहर हमारा लक्ष्य है।'

अमेरिकी हमले में 3 भारतीयों की मौत पर घिरी सरकार, उधर ट्रंप से पीएम मोदी की होनी है मुलाकात, क्या-क्या होगा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 17 जून को जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रस्तावित मुलाकात पर होनी है। ओमान की खाड़ी में अमेरिकी हमले में तीन भारतीयों की मौत के बाद विपक्ष सरकार पर अमेरिका से जवाब मांगने का दबाव बना रहा है। ऐसे में यह मुलाकात काफी अहम होने वाली है।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात 17 जून को फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर होने जा रही है। दोनों नेताओं की यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है, जब हाल में ही ओमान की खाड़ी में व्यापारिक जहाजों पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नागरिक की मौत हो गई है। इस मामले में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के समक्ष अपना विरोध जताया लेकिन वाशिंगटन की ओर से भारतीय नागरिकों की मौत पर कोई खेद प्रकट नहीं किया गया है। वहीं इस मुद्दे पर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर दबाव बना रहा है।

विपक्षी दलों का कहना है कि भारतीय नागरिकों की जान जाने का मामला बेहद गंभीर है और भारत सरकार को अमेरिका से स्पष्ट जवाब मांगना चाहिए। कांग्रेस सहित कई दलों ने सवाल उठाया है कि सरकार ने अब तक इस मामले में अपेक्षित

सख्ती क्यों नहीं दिखाई। विपक्ष का आरोप है कि यदि किसी अन्य देश की कार्रवाई में भारतीय नागरिकों की मौत होती, तो सरकार का रुख कहीं अधिक कड़ा होता।

व्हाइट हाउस ने इस मुलाकात पर क्या कहा?

व्हाइट हाउस द्वारा शनिवार को जारी किए गए बयान के मुताबिक, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते फ्रांस में होने वाले जी7 समिट के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दुनिया के दूसरे नेताओं से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत में हुए विकास की समीक्षा करने की उम्मीद है।

वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित व्यापार समझौता शायद दोनों नेताओं के बीच बातचीत में खास तौर पर शामिल होगा। हालांकि, अधिकारियों को उम्मीद नहीं है कि समिट के दौरान कोई फाइनल समझौता हो पाएगा। अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप 17 जून को पीएम मोदी के साथ एक द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जिसके बाद वे जी7 नेताओं, सहयोगी भागीदारों और तकनीकी अधिकारियों के साथ एक वर्किंग लंच में शामिल होंगे।

वहीं दूसरी ओर मोदी और ट्रंप की इस मुलाकात को लेकर अभी तक भारत की ओर से कोई भी स्पष्ट जवाब नहीं आया है।

किन मुद्दों पर हो सकती है चर्चा

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मोदी-ट्रंप मुलाकात में व्यापार, रक्षा सहयोग और वैश्विक सुरक्षा जैसे मुद्दों के साथ ओमान की खाड़ी की घटना भी चर्चा का अहम विषय बन सकती है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी के सामने चुनौती होगी कि वे भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत बनाए रखते हुए भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान के मुद्दे पर देश की भावनाओं का भी प्रतिनिधित्व करें।

सरकार पर दबाव बना रहा विपक्ष

विपक्ष इस मुलाकात को सरकार की कूटनीतिक परीक्षा के रूप में देख रहा है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी हमले में मारे गए भारतीयों के मुद्दे को राष्ट्रपति ट्रंप के सामने प्रमुखता से उठाते हैं या नहीं। यह मुलाकात केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से ही नहीं, बल्कि घरेलू राजनीति में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इस बीच कांग्रेस ने मांग की है कि मोदी सरकार संसद में पूरी जानकारी दे और सुनिश्चित करे कि भारत की संप्रभुता और किसानों-उद्योगों के हितों की रक्षा हो। जाने-माने भू-राजनीतिक विशेषज्ञ और लेखक ब्रह्मा चेलानी ने हाल में ही सोशल मीडिया पर कहा, मोदी-ट्रंप की दोस्ती महंगी पड़ रही है। ओमान जैसे स्थिर सहयोगी देशों के साथ मजबूत संबंध बनाए बिना अमेरिका पर अंधाधुंध निर्भरता भारत की विदेश नीति को कमजोर कर रही है।

आज पहुंचेंगी भारत व अफगानिस्तान की टीमें, 17 जून को मुकाबले में दिग्गज रोहित शर्मा पर रहेंगी निगाहें

(जीएनएस)।

लखनऊ, मुकाबले में विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ी दमखम दिखाएंगे। इसमें दिग्गज भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा के अलावा भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, केएल राहुल और अर्शदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 17 जून को होने वाले दूसरे वनडे मुकाबले के लिए भारत और अफगानिस्तान की टीमें सोमवार को लखनऊ पहुंच जाएंगी। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को एक एक करके दोनों टीमें अभ्यास करके अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देंगी।

अफगानिस्तान के खिलाड़ी दोपहर डेढ़ से चार बजे और भारतीय टीम के खिलाड़ी शाम चार से सात बजे तक नेट्स में पसीना बहाएंगे। मुकाबले में विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ी दमखम दिखाएंगे। इसमें दिग्गज भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा के अलावा भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, केएल राहुल और अर्शदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

गौरतलब है कि सीरीज के पहले मुकाबले में भारत ने सात विकेट से आसान जीत दर्ज करते हुए तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली थी।

ऐसे में टीम की नजरें लखनऊ में जीत के साथ सीरीज पर कब्जा करने पर होंगी। मुकाबले में पदार्पण करने वाले हर्ष दुबे और गुरुनूर बरार ने तीन-तीन विकेट चटकाए, जबकि कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 84 रन बनाकर टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाई।

वैभव सूर्यवंशी ने मैदान पर चला दिया थप्पड़! बच गया श्रीलंकाई खिलाड़ी, सुपर ओवर के बाद मैदान पर जोरदार टकराव

(जीएनएस)।

वैभव सूर्यवंशी को आम तौर पर एक शांत प्लेयर के रूप में देखा जाता है लेकिन श्रीलंका में भारत ए के लिए खेलते हुए आज उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच गया। भारत ए और श्रीलंका ए की टीमों के बीच मुकाबला टाई होकर सुपर ओवर में गया। वहां श्रीलंका ने जीत दर्ज कर वैभव सूर्यवंशी के साथ छेड़खानी की थी।

सुपर ओवर में भारत को जीतने के लिए 17 रन की दरकार थी और वैभव सूर्यवंशी क्रीज पर थे लेकिन वह इन रनों को नहीं बना पाए। कुगदस मथुलान के ओवर में वैभव और शेडगे क्रीज पर थे। भारत की टीम सिर्फ 7 रनों का स्कोर बना पाई और मुकाबला हार गई।

इसके बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने जश्न के नाम पर वैभव सूर्यवंशी को एक तरह से छेड़ दिया। वे सभी प्लेयर्स जानबूझकर वैभव सूर्यवंशी के सामने आकर जश्न मनाते हुए उनको

छेड़कर यह जताने का प्रयास कर रहे थे कि तुम सुपर ओवर में रन नहीं बना पाए। श्रीलंकाई प्लेयर्स ने उनको उकसाया था।

जब यह जश्न ज्यादा हुआ, तो वैभव सूर्यवंशी किसी प्लेयर (शायद मथुलान) के साथ भिड़ गए। वह श्रीलंकाई प्लेयर को पकड़ने के लिए करीब थे और हाथ भी बढ़ा दिया था, इस दौरान दोनों के बीच थोड़ी धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद सूर्यवंशी दुबारा आगे बढ़े। आमने-सामने की इस टक्कर को देखते हुए साथ में खड़े सूर्यांश शेडगे ने वैभव को पकड़कर अपनी तरह खींच लिया। इसके बाद जाते हुए सूर्यवंशी ने श्रीलंकाई टीम के प्लेयर्स को अपना हाथ दिखाते हुए कुछ कहा। अगर शेडगे उनको नहीं खींचते, तो शायद वह किसी श्रीलंकाई खिलाड़ी को थप्पड़ रसीद कर देते।

वैभव सूर्यवंशी को श्रीलंकाई टीम के प्लेयर्स ने जानबूझकर छेड़ा था। 15 साल के वैभव ने पानी सर से ऊपर जाता हुआ देख अपना जोरदार रिएक्शन दिया लेकिन समय रहते उनके साथी खिलाड़ी ने खींच लिया। वैभव सूर्यवंशी का चेहरा एकदम लाल था और वह बेहद गुस्से में थे लेकिन बाद में शेडगे के साथ पवेलियन चले गए।

भारत और श्रीलंका के बीच खेले गए इस मुकाबले में पहले बैटिंग करते हुए टीम इंडिया ने 265 रन बनाए। जवाबी पारी में खेलते हुए श्रीलंकाई टीम 265 रनों के कुल स्कोर पर आउट हो गई और मुकाबला सुपर ओवर में चला गया। इसके बाद श्रीलंकाई टीम ने जीत दर्ज कर ली।

थप्पडकांड के बाद अभिजीत दीपके ने प्रदर्शन में ही किया बड़ा ऐलान, बताया कॉकरोच जनता पार्टी का क्या है अगला मिशन

(जीएनएस)।

राजस्थान की राजधानी जयपुर का शहीद स्मारक सोमवार (15 जून) को अचानक एक बड़े सियासी अखाड़े में तब्दील हो गया। नीट (NEET) पेपर लीक, बेरोजगारी और बदहाल शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन करने पहुंचे 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके को भीड़ के बीच कुछ युवकों ने सरेआम थप्पड़ जड़ दिए। इस घटना के बाद वहां ऐसा बवाल मचा कि पुलिस के भी हाथ-पांव फूल गए।

लेकिन इस थप्पड़कांड ने आंदोलन की आग को बुझाने के बजाय और भड़का दिया है। थप्पड़ खाने के तुरंत बाद अभिजीत दीपके ने मंच संभाला और सीधे देश की राजधानी दिल्ली को लेकर एक ऐसा बड़ा एलान कर दिया, जिसने सरकार की टेंशन बढ़ा दी है।

सरेआम हुए इस हमले के बावजूद अभिजीत दीपके के तेवर ढीले नहीं पड़े। उन्होंने मंच से जनता को संबोधित करते हुए कहा, "हम पर चाहे एक बार हमला हो या दस बार, हमारे गाल पर कोई एक थप्पड़ मारे या दस, हम हिंसा का जवाब हिंसा से नहीं देंगे। कायर लोग हिंसा का सहारा लेते हैं, लेकिन हम चुप नहीं बैठेंगे।"

दीपके ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर सरकार को खुली चुनौती दी और अपनी पार्टी का अगला मिशन बताते हुए 'दिल्ली चलो' का नारा बुलंद किया। उन्होंने ऐलान किया कि 20 जून को देश भर के युवा फिर से दिल्ली कूच करेंगे और इस बार जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं हो जाता, वे दिल्ली से वापस नहीं लौटेंगे। दीपके ने कहा कि यह सब उन्हें डराने और छात्रों की खुदकुशी व पेपर लीक के मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने की साजिश है, लेकिन वे भटकने वाले नहीं हैं। उन्होंने नफरत फैलाने वालों को तंज कसते हुए 'गेट वेल सून' भी कहा।

यानी कॉकरोच जनता पार्टी का अब अगला मिशन दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करना है। हालांकि ये विरोध प्रदर्शन 20 जून को जंतर-मंतर पर होगा या कहीं और फिलहाल इसका खुलासा नहीं हुआ है। लेकिन उखढ का कहना है कि वे जल्द ही इसपर अपडेट देंगे। अभिजीत ने थप्पड़ खाने के बाद संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में 20 जून को कॉकरोच जनता पार्टी का अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन होने जा रहा है और जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपना इस्तीफा नहीं देते, वो इस बार दिल्ली से जाएंगे नहीं।

कंधे पर बैठे थे अभिजीत दीपके और अचानक पड़ गए थप्पड़

पूरा वाकया सोमवार 14 जून दोपहर का है, जब जयपुर के शहीद स्मारक पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सैकड़ों युवा जुटे थे। जैसे ही उखढ के फाउंडर अभिजीत दीपके प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे, समर्थकों ने उन्हें जोश में अपने कंधे पर उठा लिया। दीपके कंधे पर बैठकर अंदर जा ही रहे थे कि भीड़ में छिपे कुछ युवकों ने अचानक उन पर हमला कर दिया और उन्हें थप्पड़ जड़ दिए।

इस हरकत को देख दीपके के समर्थक भड़क गए और उन्होंने भाग रहे दो हमलावरों को दबोचकर उनकी जमकर धुनाई कर दी। मौके पर मौजूद पुलिस ने तुरंत बीच-बचाव किया और दोनों पक्षों को अलग किया। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए थप्पड़ मारने वाले मुख्य आरोपी राकेश गुर्जर, रोहित वैष्णव, अर्जुन पंडित और अजय समेत कुल 6 युवकों को हिरासत में ले लिया है और उन्हें विधायकपुरी थाने ले जाकर पूछताछ कर रही है।

हमलावर ने बताया क्यों मारा अभिजीत दीपके को थप्पड़?

इस घटना के बाद पुलिस की गिरफ्त में आए मुख्य आरोपी राकेश गुर्जर ने अपनी हरकत को सही ठहराते हुए गंभीर आरोप लगाए। राकेश गुर्जर ने मीडिया से कहा, "मैं जयपुर का ही रहने वाला हूं और एक राष्ट्रवादी हूं। ये अभिजीत दीपके और इसके साथी जिहादी मानसिकता के लोग हैं। ये लोग बिना किसी वजह के सिर्फ पेपर लीक को बहाना बनाकर पूरे देश के युवाओं को बरगला रहे हैं और देश का माहौल खराब कर रहे हैं।"

स्मार्ट सिटी लखनऊ में विकास के दावों की पोल खोलती अंधे की चौकी की जर्जर सड़क

लखनऊ। एक ओर जहाँ स्मार्ट सिटी लखनऊ के अंतर्गत आधुनिक और बेहतर बुनियादी सुविधाएँ

उपलब्ध कराने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अंधे की चौकी क्षेत्र की सड़कें इन दावों पर सवाल खड़े कर रही हैं। क्षेत्र में सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों में भरा पानी राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर समस्या बना हुआ है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, लंबे समय से सड़क की मरम्मत न होने के कारण स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। बारिश के बाद सड़क तालाब का रूप ले लेती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। दोपहिया वाहन चालकों, ई-रिक्शा संचालकों और आम नागरिकों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग और नगर निगम अधिकारियों को शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। सड़क की बदहाल स्थिति न केवल यातायात को प्रभावित कर रही है, बल्कि स्मार्ट सिटी परियोजना की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि अंधे की चौकी क्षेत्र की सड़कों की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और स्मार्ट सिटी के दावे धरातल पर भी दिखाई दें।

बॉलीवुड एक्ट्रेस गुल पनाग ने भी उठाया नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की पहली फ्लाइट का आनंद, सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

(जीएनएस)।

लखनऊ। नोएडा के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार से घरेलू उड़ानों का संचालन शुरू हो गया है। लखनऊ से सुबह सात बजे इंडियो एयरलाइंस की फ्लाइट नोएडा गई। इस फ्लाइट के 182 यात्रियों में फिल्म अभिनेत्री गुल पनाग भी थीं, जिन्होंने लखनऊ से नोएडा की यात्रा के अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया। इस रूट पर अब नियमित उड़ान सेवाएं एक जुलाई 2026 से संचालित की जाएंगी।

लखनऊ से सोमवार को संचालित पहली उड़ान 6ए 2278 से कुल 182 यात्रियों ने लखनऊ से नोएडा की यात्रा की। इस अवसर पर प्रसिद्ध अभिनेत्री गुल पनाग भी इस उड़ान की यात्री रहीं। एक्ट्रेस गुल पनाग ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की पहली कमर्शियल फ्लाइट में सफर किया। लखनऊ से नोएडा एयरपोर्ट पहुंचने के बाद उन्होंने इस ऐतिहासिक उड़ान और एयरपोर्ट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी।

गुल पनाग ने सोमवार की लखनऊ से नोएडा की अपनी यात्रा के अनुभव को सोशल मीडिया पर भी शेयर किया। उन्होंने लिखा कि एक एविएशन प्रेमी के तौर पर, यह अनुभव मेरे लिए बहुत खास था। लखनऊ से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के लिए पहली उड़ान में शामिल होकर मैं बहुत उत्साहित हूं। दिल्ली-ठउफ में वर्षों तक यात्रा करने के बाद मैं यह देखने के लिए बहुत उत्सुक हूं कि भारत का यह सबसे बड़ा एयरपोर्ट इस इलाके के लिए कनेक्टिविटी, आवाजाही और आर्थिक अवसरों के मामले में क्या नई संभावनाएं लेकर आता है। उन्होंने इसके साथ ही लिखा कि इस सफर को आगे बढ़ते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार है।

सोमवार को लखनऊ से नोएडा के बीच पहली सीधी उड़ान का सफल संचालन हो गया। इस नई सेवा के शुभारंभ के साथ प्रदेश के दो महत्वपूर्ण शहरों के बीच हवाई संपर्क को नई मजबूती मिली है। नई सेवा के शुभारंभ पर एयरपोर्ट परिसर में दीप प्रज्वलन एवं केक कटिंग समारोह का आयोजन किया गया।

जिसमें एयरलाइन एवं एयरपोर्ट प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का उत्सव मनाया। सभी ने नई उड़ान सेवा के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश के भीतर हवाई संपर्क को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। एक निजी समूह के लगभग 80 कर्मचारियों ने भी लखनऊ से नोएडा की यात्रा कर इस नई सेवा का लाभ उठाया, जो इस रूट के प्रति यात्रियों की सकारात्मक प्रतिक्रिया को दर्शाता है।

लखनऊ में कारोबारी के घर बेटे ने ही क्यों की चोरी? असल खिलाड़ी तो कोई और ही था

यूपी की राजधानी में कारोबारी के घर चोरी का खुलासा हो गया है. यह चोरी कारोबारी के बेटे ने ही की है, लेकिन उसने यह काम मजबूरी में किया था. आइए जानते हैं आखिर ऐसी क्या उलझन थी जो नाबालिक को गहने घर के चोरी करने पड़ गए.

(जीएनएस)।

लखनऊ: यूपी में लखनऊ के चिनहट इलाके में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक कारोबारी के नाबालिग बेटे को पिस्टल दिखाकर धमकाया गया और उससे उसके ही घर से लाखों रुपये के जेवर चोरी करवा लिए गए. पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो नाबालिग किशोरों को हिरासत में लिया गया है.

पुलिस के मुताबिक, चिनहट

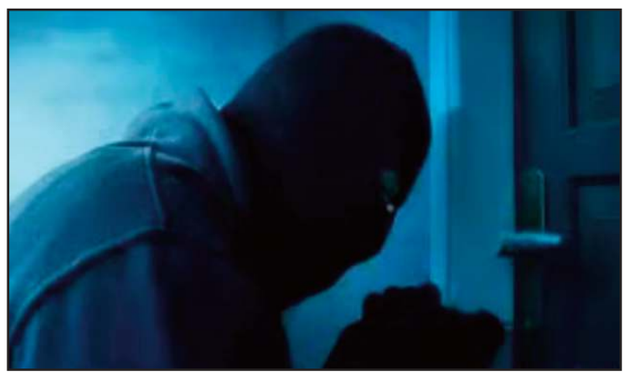

निवासी कारोबारी राजेश प्रसाद 20 मई को अपने परिवार के साथ बाहर गए थे. 1 जून को लौटने पर उनकी पत्नी ने अलमारी से जेवर गायब होने की जानकारी दी. परिवार के स्तर पर पूछताछ करने पर कारोबारी के 13 वर्षीय बेटे ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले एक किशोर और उसके साथियों ने उसे पिस्टल दिखाकर धमकाया था. डर के कारण उसने घर में रखे जेवर उन्हें दे दिए थे.

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने चोरी किए गए जेवरों को एक सर्राफ की दुकान पर बेच दिया था. पुलिस के अनुसार, पड़ोसी का नाबालिग बेटा और उसके साथी एक कार खरीदने के लिए पैसों का इंतजाम करना चाहते थे. इसी मकसद से उन्होंने कारोबारी के बेटे को निशाना बनाया और उससे चोरी करवाई.

पूछताछ के दौरान नाबालिग आरोपी ने अपने मामा की भूमिका का भी खुलासा किया. इसके बाद 9 जून को चिनहट थाने में पड़ोसी, उसके नाबालिग बेटे, मामा और एक सर्राफ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई.

चिनहट पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सुधांशु यादव और लकी यादव को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं दो नाबालिग किशोरों को हिरासत में लिया गया है. आरोपियों के कब्जे से कुछ जेवर, एक लाख रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है.

नोएडा एयरपोर्ट को जमीन देने वाले किसानों ने मांगी नौकरी, सीएम योगी आदित्यनाथ बोले- जेवर में आना चाह रहे कुबेर

(जीएनएस)।

नोएडा। जेवर के जिन किसानों ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण के लिए अपनी जमीन दी, उनकी सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात हुई। इन्हीं किसानों ने नोएडा एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली पहली कॉमर्शियल फ्लाइट में सवार होकर लखनऊ पहुंचे।

इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा, 'अब आप सोचिए कि दिल्ली को फेल करने जा रहे हैं। दुनिया का हर बड़ा व्यक्ति वहां (जेवर) आना चाहता है। आप परी की बात कर रहे थे, अब तो वहां कुबेर आना चाहते हैं।' किसानों इस बीच जमीन अधिग्रहण के समय नौकरी देने के वादे को पूरा करने की भी बात कही।

'यूपी का सबसे बड़ा आपराधिक क्षेत्र था जेवर'

सीएम ने लखनऊ पहुंचे किसानों से कहा, 'जेवर अब वह जेवर नहीं रहा। इसी क्षेत्र में उत्तरप्रदेश का सबसे अधिक आपराधिक गतिविधियों का क्षेत्र बन गया था। शाम होते ही आवागमन बंद हो जाता था। हर बेटी असुरक्षित थी। किसानों के लिए कोई

सुविधा नहीं थी। किसानों का उत्पीड़न होता था, हम इसको देखते थे। सड़क, सुविधा व रोजगार भी नहीं था। ऐसी स्थितियों में दिल्ली के नजदीक जेवर मात्र एक कस्बा था, एक गांव था।'

जेवर क्षेत्र के करीब 172 किसान लखनऊ में सीएम योगी से मिलकर धन्यवाद ज्ञापन सौंपने पहुंचे थे। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हैं।

'हमारा सपना हकीकत बना'

यात्री अबरार खान ने कहा, 'हम बहुत खुश और आभारी हैं। जो हमने सपना देखा था, वह आज हकीकत बन रहा है।' एक युवती हेरा राशिद ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा, 'यह हमारी पहली उड़ान है और मुख्यमंत्री से मुलाकात का मौका भी मिल रहा है।'

'30 बीघा जमीन दी, नौकरी का इंतजार'

एक 65 वर्षीय किसान ने बताया कि उन्होंने 30 बीघा जमीन एयरपोर्ट के लिए दी। विकास देखकर खुशी है, लेकिन वादे की नौकरी अभी नहीं मिली।

जेवर विधायक बोले- जमीन देने वाले आसमान छू रहे

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा, 'जिन परिवारों ने अपनी पैतृक जमीन राष्ट्रीय हित में दी, आज वही परिवार उसी मिट्टी से आसमान छू रहे हैं। यह किसानों की गरिमा, विकास और बदलते उत्तर प्रदेश की उड़ान है।'

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट सोमवार से पूर्ण रूप से पैसेंजर उड़ानों का संचालन शुरू कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2021 में इसकी नींव रखी थी और मार्च 2026 में इसका उद्घाटन किया।

लखनऊ जंक्शन पर ट्रेन के आते ही जगमगा उठेंगे प्लेटफॉर्म, एप से कंट्रोल होंगे उपकरण, 3 करोड़ का लगेगा सिस्टम

(जीएनएस)।

लखनऊ, इस सिस्टम को तीन करोड़ रुपये से 18 स्टेशनों पर लगाया जा रहा है। इस सिस्टम के तहत रात में प्लेटफॉर्म पर सिर्फ 30 प्रतिशत लाइटें ही जलेंगी। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर एंट्री करते ही बाकी 70 प्रतिशत लाइटें भी स्वतः जल उठेंगी और ट्रेन के रवाना होते ही बंद हो जाएंगी।

ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल ने अनूठी पहल की है। अब लखनऊ जंक्शन समेत 18 स्टेशनों पर ट्रेन के आते ही प्लेटफॉर्म रोशनी से जगमगा उठेंगे और ट्रेन के जाते ही लाइटें खुद-ब-खुद बंद हो जाएंगी।

इस सिस्टम को नियंत्रित करने के लिए आईआर-नियंत्रक एप विकसित किया गया है, जिस पर लगभग तीन करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इस सिस्टम के तहत रात में प्लेटफॉर्म पर

सिर्फ 30 प्रतिशत लाइटें ही जलेंगी।

यह एप सेंसर आधारित है। रेलवे कंट्रोल रूम में बैठे कर्मचारी बिजली के उपकरणों को एप से नियंत्रित कर आपूर्ति शुरू या बंद कर सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार, पहले चरण में लखनऊ जंक्शन, गोरखपुर जैसे प्रमुख स्टेशन व अमृत भारत योजना में पुनर्विकसित हो रहे स्टेशनों के नाम शामिल किए जाएंगे। दूसरे चरण में वाराणसी व इज्जतनगर मंडल के स्टेशनों पर इसे शुरू किया जा जाएंगे।

पानी की टंकी भरने में भी होगा इस्तेमाल

एप आधारित सिस्टम से पानी की टंकियां भी भरी जाएंगी। टंकी भरते ही सेंसरों से कंट्रोलरूम को सूचना मिल जाएगी, जिसके बाद लाइट खुद बंद हो जाएगी। लिफ्ट व एस्केलेटर भी एप से नियंत्रित किए जाएंगे। बिजली खपत की मॉनीटरिंग भी होगी।

रियल टाइम मॉनीटरिंग कर सकेगा रेलवे

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह एप रियल टाइम मॉनीटरिंग पर काम करेगा। सेंसर आधारित एप से रेलवे स्टेशन के उपकरणों को जोड़ा जाएगा, जिसे सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम्स के क्लाउड आधारित केंद्रीकृत सर्वर से लिंक किया जाएगा, जो सिर्फ एक क्लिक पर पूरी रिपोर्ट भी तैयार कर लेगा।

लखनऊ मंडल के जनसंपर्क अधिकारी पूर्वोत्तर रेलवे महेश गुप्ता का कहना है कि ऊर्जा संरक्षण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सोलर पैनलों से बिजली पैदा करना हो या एप आधारित सिस्टम से बिजली की बचत, पूर्वोत्तर रेलवे ऐसी कोशिशें करता रहा है, जो आगे भी जारी रहेंगी।

कौन हैं वे 3 अफसर, जो सुलझाएंगे राम मंदिर में दान चोरी केस, तीनों सीएम योगी के खास

(जीएनएस)।

अयोध्या के राम मंदिर में दान पात्रों से चढ़ावे में कथित गबन मामले की जांच के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने उच्च स्तरीय विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया है. इस मुद्दे पर दूध का दूध और पानी का पानी करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी प्रशासनिक मशीनरी के तीन सबसे तेज तर्रार और कड़क छवि वाले अफसरों को मैदान में उतारा है. इसमें लखनऊ के मंडलायुक्त आईएएस विजय विश्वास पंत, सीबीआई पृष्ठभूमि के आईजी आईपीएस किरन एस और वित्तीय बारीकियों के विशेषज्ञ विशेष सचिव नीलरतन कुमार शामिल हैं. जानिए इन तीन महारथियों के बारे में.

अयोध्या राम जन्मभूमि मंदिर के दानपात्रों में कथित गबन सुर्खियों में है. तमाम हो-हल्ला के बीच मुख्यमंत्री योगी ने सूबे सबसे तेज-तर्रार अफसरों इस कथित गबन की सच करोड़ों श्रद्धालुओं के सामने लाने की जिम्मेदारी दी है. यह कोई सामान्य जांच टीम नहीं है, बल्कि इसमें शासन के उन तीन सबसे विश्वसनीय और धाकड़ अधिकारियों हैं. ये तीनों अफसर इस महा-घोटाले की परतों को उखाड़ेंगे और पाई-पाई का हिसाब निकालेंगे. तीनों अधिकारियों के बारे में जानते हैं-

आईएएस विजय विश्वास पंत

इस हाई-प्रोफाइल एसआईटी की अध्यक्षता (चेयरमैनशिप) 2004 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विजय विश्वास पंत को सौंपी गई है. वे वर्तमान में लखनऊ के मंडलायुक्त के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं.

मूल रूप से उत्तराखंड के रहने वाले विजय विश्वास पंत की पहचान उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक गलियारों में एक बेहद कड़क, समयबद्ध और बेदाग छवि वाले अधिकारी के रूप में होती है. वे पहली बार साल 2008 में महोबा के जिला मजिस्ट्रेट (उट्र) बने थे, जहां उन्होंने अपनी कार्यशैली से कानून का राज स्थापित किया था.

सीएम योगी का अटूट भरोसाः विजय विश्वास पंत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भरोसा कितना मजबूत है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक सांस्कृतिक समागम यानी प्रयागराज महाकुंभ के सफल और पारदर्शी आयोजन के लिए उन्हें विशेष रूप से प्रयागराज का मंडलायुक्त बनाया गया था. महाकुंभ के सफल संचालन के बाद उन्हें राजधानी लखनऊ की कमान सौंपी गई.

दान चोरी केस में भूमिकाः एक चेयरमैन के रूप में आईएएस विजय विश्वास पंत इस पूरी जांच के प्रशासनिक और कानूनी पहियों को नियंत्रित करेंगे. मंदिर प्रशासन, स्थानीय जिला प्रशासन और शासन के बीच समन्वय स्थापित करते हुए वे यह सुनिश्चित करेंगे कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष और बिना किसी बाहरी दबाव के पूरी हो.

आईपीएस किरन एस

एसआईटी में आपराधिक कड़ियों को डिकोड करने, सुरक्षा चूक की जांच करने और किसी भी संगठित सिंडिकेट का पदार्फाश करने का जिम्मा 2008 बैच के तेज-तर्रार आईपीएस अधिकारी किरन एस को दिया गया है, जो वर्तमान में लखनऊ रेंज में आईजी के पद पर तैनात हैं.

मूल रूप से केरल के तिरुवनंतपुरम के रहने वाले आईपीएस किरन एस को यूपी पुलिस के सबसे सटीक और खोजी दिमाग वाले अफसरों में गिना जाता है. उनके पास देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी सीबीआई (उइक) में भी लंबे समय तक सेवा दे चुके हैं.

अंतरराष्ट्रीय सम्मानः केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के दौरान उनकी उत्कृष्ट और अद्वितीय सेवाओं के लिए उन्हें वैश्विक स्तर के प्रतिष्ठित 'इंटरपोल मेडल ऑफ एक्सिलेंस' से भी सम्मानित किया जा चुका है.

जांच में भूमिकाः राम मंदिर गबन कांड में चोरों या सेवादारों के किसी भी आपराधिक नेटवर्क, मंदिर परिसर के भीतर लगे हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी (उउळश) फुटेज के वैज्ञानिक व फॉरेंसिक विश्लेषण और सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही भ्रामक अफवाहों के पुलिसिया एंगल को किरन एस अपनी टीम के साथ मिलकर खंगालेंगे.

पटाखा गोदाम में विस्फोट से एक महिला की मौत, नगराम में लापरवाही जारी

(जीएनएस)।

लखनऊ। नगराम के देवती गांव में सोमवार सुबह पटाखा गोदाम में विस्फोट होने से खलबली मच गई। घटना से बाद आसपास के गांव के लोगों की भीड़ जमा हो गई और सूचना पुलिस को दी गई।

नगराम पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की है। विस्फोट में एक महिला की मौत हुई है। नगराम के देवती गांव के बाहर स्थित एक लाइसेंसी पटाखा गोदाम में सोमवार सुबह करीब 11 बजे अचानक भीषण विस्फोट हो गया।

विस्फोट इतना तेज था कि गोदाम की कोठरी की छत और दीवारें उड़ गईं। मलबे के नीचे खड़ी दो मोटरसाइकिलें भी दबकर क्षतिग्रस्त हो गईं और आग की चपेट में आकर जल गईं।

घटना के समय गोदाम के पास बैठी 22 वर्षीय मारिया और युवक मोहित घायल हो गए। हादसे के बाद मारिया के परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। वहीं मोहित को भी चोटें आई हैं।

गोदाम के लाइसेंस धारक शफीक ने बताया कि सहालग को देखते हुए गोला-पटाखा बनाने की तैयारी चल रही थी। अधिकांश सामान तैयार था तथा गोदाम में बारूद और निर्मित सामग्री भी रखी हुई थी। घटना के समय वह मौके पर मौजूद नहीं थे, इसलिए विस्फोट के कारणों की जानकारी नहीं हो सकी।

सूचना पर थाना प्रभारी, एसीपी और एसडीएम मौके पर पहुंचे तथा जांच शुरू कर दी। अग्निशमन विभाग की टीम ने भी मौके का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर विस्फोट के कारणों की पड़ताल शुरू कर दी है।

डीसीपी (साउथ) अमित कुमार ने बताया कि जहां विस्फोट हुआ वह एक लाइसेंसी फैक्ट्री है। एक महिला गंभीर रूप से घायल हुई है। विस्फोट किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जांच कराई जा रही है।

इससे पहले बीते वर्ष 12 नवंबर को नगराम इलाके में सुबह पटाखा गोदाम में आग लगने के बाद विस्फोट हो गया। धमाके की आवाज दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी।

बीएड प्रवेश परीक्षा परिणाम कल लखनऊ से होगा जारी, 31 मई को हुई थी प्रवेश परीक्षा; यहां देख सकेंगे रिजल्ट

(जीएनएस)।

लखनऊ, बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा का परिणाम कल जारी किया जाएगा। परीक्षा 31 मई को आयोजित हुई थी, जिसमें लाखों अभ्यर्थियों ने भाग लिया। परिणाम के बाद काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होगी, जिसके आधार पर अभ्यर्थियों को विभिन्न महाविद्यालयों में प्रवेश दिया जाएगा। उम्मीदवारों को आगे की सूचनाओं पर नजर रखने की सलाह दी गई है।

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा का परिणाम कल लखनऊ से जारी किया जाएगा। परिणाम की घोषणा उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय और उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी द्वारा की जाएगी। गौरतलब है कि बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन 31 मई को प्रदेशभर में किया गया था।

परीक्षा में लगभग 4 लाख अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। परिणाम जारी होने के बाद अभ्यर्थी आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपना स्कोर और रैंक देख सकेंगे। इसके बाद काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिसके माध्यम से अभ्यर्थियों को विभिन्न बीएड महाविद्यालयों में प्रवेश दिया जाएगा।

उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे परिणाम जारी होने के बाद आधिकारिक वेबसाइट पर नियमित रूप से काउंसलिंग और प्रवेश संबंधी सूचनाएं देखते रहें। बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए रैंक और काउंसलिंग प्रक्रिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

लखनऊ में किसान को अज्ञात वाहन ने रौंदाःदो दिन परिजनों को मिली जानकारी; उन्नाव से रिश्तेदारी में आया था

(जीएनएस)।

लखनऊ के पारा इलाके में 12 जून को अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई थी। मृतक दो उन्नाव से पारा थानाक्षेत्र स्थित बुद्धेश्वर मंदिर के पास रिश्तेदारी में आया था। इस दौरान हादसा हो गया। परिजन जब मृतक की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाने पहुंचे तब उन्हें घटना की जानकारी हुई।

परिजनों के अनुसार प्रियंक

कुमार वर्मा खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी सरिता देवी और दो छोटे बच्चे हैं। इनमें एक बच्चा महज पांच महीने का है।

प्रियंक के जीजा सतीश कुमार ने बताया कि 12 जून को प्रियंक लखनऊ के बुद्धेश्वर मंदिर के पास पहुंचे थे। वह पैदल थे। काफी देर तक घर न लौटने पर परिजन चिंतित हो गए और उनकी तलाश शुरू की। बाद में पारा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे तो जानकारी मिली कि उनका एक्सीडेंट हो गया था। वहीं पुलिस पूरे मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।